एक नजर में

ज्ञान की देवी का पूजन अर्चन किया

छापीहेड़ा 01 अक्टूबर, सं. सरस्वती ज्ञान मंदिर विद्यालय छापीहेड़ा में विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजन दुर्गा अष्टमी के अवसर पर प्रधानाचार्य राधेश्याम नागर एवं समस्त स्टाफ द्वारा की गई. वहीं विद्यालय की नन्ही मुन्नी बालिकाओं ने माता के भजनों पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया कार्यक्रम के पश्चात समस्त बालिकाओं को पुरस्कार वितरण किया गया अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य राधेश्याम नागर द्वारा दशहरा एवं नवरात्रि का महत्व बच्चों को बताया.

स्वच्छ भारत मिशन गतिविधि का आयोजन

तलेन 01 अक्टूबर, सं. नगर परिषद तलेन द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत मुख्य नगर पालिका अधिकारी लीलाधर सेन के निर्देशन में पीएम स्वनिधि अंतर्गत गतिविधि आयोजित की गई. जिसमें स्व-सहायता समूह की महिलाओं को शासन कि योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई. उक्त आयोजन में नगर राधेरमण मीणा सामुदायिक संगठक सहित नगर परिषद कर्मचारी एवं नागरिकगण व सहयोगी संस्था अक्षत इको ग्रीन्स फाउंडेशन के सदस्य उपस्थित रहे.

रावण के पुतले को अंतिम रूप दे रहे कलाकार

पड़ाना 01 अक्टूबर, सं. हिंदू उत्सव समिति के तत्वाधान में मगराना रोड पर स्थित दशहरा मैदान परिसर में 31 फीट वॉटर प्रूफ रावण का अंतिम रूप देते हुए कलाकार इस मौके पर हिंदू उत्सव समिति दिनेश परमार सतीश पुरी गोस्वामी सोम पेंटर महेश जाट विक्की गुर्जर कैलाश पुष्पद अनिल पुष्पद सदस्य गण उपस्थित है.

बाड़ी माता चल समारोह में उमड़ी भीड़

पडाना 01 अक्टूबर, सं. नगर में स्थित लाल माता,परी माता,हिंगलाज माता,, आशापुरी,काली मात,अंबे माता, इत्यादि देवी मंदिरों से बुधवार शाम 5 बजे ढोल धमाके के साथ बाड़ी माता ज्वारा विसर्जन चल समारोह की एक शोभायात्रा निकाली गई. जो की नगर के विभिन्न गली मोहल्ले में होते हुए शीतला माता चौराहा पर स्थित प्राचीन काल जी महाराज मंदिर परिसर पहुंची.जहां देवी देवताओं द्वारा श्रद्धालुओं को आशीर्वाद वचन दिया. तत्पश्चात चल समारोह प्राचीन नरसिंह मंदिर स्थित तलैया पहुंचा जहां जवारों का विसर्जन किया गया. इस मौके पर शोभा यात्रा में हरिप्रसाद पुष्पद,देवचंद पुष्पद, संतोष चौधरी,कालूराम वर्मा, अनोखी लाल नाथ,पप्पू लाल संतोष सेन ,राजेश सोनी बद्रीलाल पुष्पद,रमेश पुष्पद, पवन पुष्पद,भुरु परमार,धीरज खाती,गुड्डू जगदीश मोहन प्रकाश सहित सैकड़ो की संख्या में महिला एवं पुरुष उपस्थित थे.

झांकियों के दर्शन करने उमड़े श्रद्धालु

सुठालिया 01 अक्टूबर, सं. नवदुर्गा उत्सव पर नगर में एक दर्जन से अधिक पांडालों में मां अम्बे की झांकी सजाई गई. इस दौरान परलापुरा स्थित पटेल चौक पर मां अम्बे के पांडाल में मां कालका नवयुवक कला मंडल द्वारा देवी के नौ रूपों की आकर्षक प्रतिमा विराजित की गई।नगर में शीतला माता मंदिर,परलापुरा, लोधी मोहल्ला, वाल्मीकि मोहल्ला, सिलावट मोहल्ला, जीन ग्राउंड, मधुसूदनगढ रोड ब्यावरा रोड सहित एक दर्जन से अधिक स्थानों पर मां अम्बे के आकर्षक पांडाल सजाए गए.

सारंगपुर में टेटवाल परिवार ने 1923 में शुरू की थी रावण दहन की परम्परा, राजगढ़ में दशहरिया परिवार 60 वर्षों से निभा रहा परम्परा

एक सदी पूरी कर चुकी है 'अधर्म के नाश 'उत्सव की परंपरा

राजगढ़ में दशहरिया परिवार ने 60 वर्षों से संभाल रखी है पुतला निर्माण की प्रथा

सारंगपुर में इस वर्ष 65 फीट के रावण का दहन

सारंगपुर. परम्परानुसार राज्यमंत्री गौतम टेटवाल दहन के लिए बनने वाले पुतले को देखने पहुंचे. हिंदू उत्सव समिति सारंगपुर द्वारा इस बार भी विजयादशमी पर्व बड़े उल्लास के साथ मनाया जाएगा. समिति ने बताया कि इस वर्ष रावण का पुतला 65 फीट ऊंचा तैयार किया जा रहा है. पर्व के दिन श्री अंबे माता मंदिर से भव्य शौर्य यात्रा का शुभारंभ होगा.

नवभारत न्यूज

ब्यावरा/सारंगपुर 01 अक्टूबर, का. बुराई पर अच्छाई की विजय और आतताई के प्रतीक रावण का दहन आज दशहरा पर्व परंपरागत रूप से मनाया जायेगा. जिले में सबसे अधिक ऊंचाई का रावण का पुतला सारंगपुर का होगा. यहां 65 फीट ऊंचाई के पुतले का दहन होगा. जबकि पचोर में 55 फीट, ब्यावरा में 51 तथा राजगढ़ में 50 फीट का पुतला होगा.

अतिक्रमण की चपेट में पचोर का दशहरा मैदान- पचोर संवाददाता के अनुसार यहां 55 फीट ऊंचे रावण पुतले का दहन किया जाएगा. पुतले की लागत 90 हजार तथा इसकी आतिशबाजी लगभग 2 लाख रुपये की होगी. किंतु यहां दशहरा मैदान दिनों दिन अतिक्रमण की चपेट में आकर सकरा होता जा रहा है. समय रहते प्रशासन द्वारा इस और ध्यान देते हुए मैदान को सुरक्षित करना होगा वरना वह दिन दूर नहीं जब मैदान पर रावण दहन को लेकर संकट के बादल मंडराने लगे.

राजगढ़ में 40 से अधिक कलाकार बनेंगे पात्र

नवभारत न्यूज, राजगढ़. नगर में दशहरा पर्व पर दहन हेतु रावण के पुतले का निर्माण राजगढ़ निवासी दशेहरिया परिवार द्वारा बीते 60 सालों से रावण के पुतले का निर्माण किया जा रहा है. अनवरत् रुप से आकर्षक पुतले का निर्माण यह परिवार करता आ रहा है. वर्तमान में रावण पुतले के निर्माण का जिम्मा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडव्होकेट अविनाष दशेहरिया एवं परिजन द्वारा बखूबी निभाया जा रहा है. इस बार भी 50 फीट हाइट का रावण पुतला रहेगा. हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष हर्षांत इंग्ले ने बताया कि इस बार प्रशासन के सहयोग से नवीन दशहरा मैदान पर रावण दहन को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई है. रामायण के 40 से अधिक पात्र चल समारोह में होंगे. इस बार चल समारोह काशीपुरा स्थित बड़े हनुमान मंदिर से दोपहर 2 बजे प्रारंभ होगा उसके बाद लक्ष्मीकांत मंदिर पर गार्ड ऑफ ऑनर के साथ किला स्थित लक्ष्मीकांत मंदिर पर परंपरागत चल समारोह की शुरूआत होगी. राजपूत समाज विशेष पोशाक में इस बार शामिल होगा.

ब्यावरा में एलईडी पर देख सकेंगे दहन और मंचन

ब्यावरा में इस बार नवीन दशहरा मैदान पर रावण दहन किया जाएगा. पंचमुखी हनुमान मंदिर के समीप मैदान को लंबे समय से विकसित कर व्यवस्थित करने का काम नगरपालिका द्वारा किया जा रहा है. नपा प्रशासन द्वारा तैयारियों को अंतिम रुप दिया जा जा चुका है. गत वर्ष तक श्री अंजनीलाल मंदिर के आगे दशहरा मैदान पर रावण दहन किया जाता रहा है. लेकिन वहां जगह की कमी को देखते हुए इस बार रावण दहन पंचमुखी मंदिर के समीप मैदान पर किया जाएगा. नपाध्यक्ष प्रतिनिधि पवन कुशवाहा ने नपा टीम के साथ निरीक्षण के दौरान कहा कि इस बार नए दशहरा मैदान को व्यवस्थित व सुसज्जित किया है.रावण दहन का परंपरागत कार्यक्रम संगीतमय होगा. रामधुन के साथ कलाकार भजनों की प्रस्तुतियां देंगे. इसके लिए स्थानीय कलाकारों द्वारा विशेष रूप से तैयारी की गई है. नपा द्वारा आयोजन को देखने के लिए 3 बड़ी स्क्रीन की एलईडी यहां लगाई जाएगी. जिससे दूर खड़े लोग भी कार्यक्रम को देख सकेंगे.

हाईवे किनारे पूजे जाते हैं मेघनाथ और कुंभकर्ण

करनवास 01 अक्टूबर, सं. भाटखेड़ी गांव में राम और मेघनाथ तो कुंभकरण की होती है पूजा 100 साल पुराने उनकी मूर्तियां बना रखी है हाईवे अब रोड के पास जहां पर ट्रक वाले गाड़ी वाले कहीं एक बार पूजा करके जाते हैं. इस गांव को रावण वाली बात करें के नाम से ही जाना जाता है बरसों पुणे तीन पीढ़ी से या रामलीला का मंचन होता है और गांव उसके राम मंदिर से राम और रावण की सेवा अलग-अलग ट्रैक्टर में सवार होकर नाचते गाते हुए उधर राम की सेवा में राम के जयकारों के साथ और रावण की सेवा में रावण के जयकारों के साथ अलग-अलग वहां रथ में सवार होकर राम और रावण की सी आती है. एक दिन पहले टेंट लगा दिए जाते हैं और आसपास के गांव के लोग रामलीला को देखने के लिए आते हैं लोग राम और रावण की लड़ाई देखकर बच्चे और बड़े आनंदित होते हैं यही सिलसिला बरसों पुराना चल रहा है.

1923 में टेटवाल परिवार ने शुरू की परम्परा

स्व. श्री हजारीलाल टेटवाल

सारंगपुर संवाददाता के अनुसार यहां दशकों से रावण दहन का भव्य आयोजन होता आ रहा है. विशेष बात यह है कि यहां रावण का पुतला बनाने की जिम्मेदारी पिछले 102 वर्षों से लगातार टेटवाल परिवार निभाता आ रहा है. यह परंपरा अब केवल परिवार या नगर की नहीं रही बल्कि सारंगपुर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान बन चुकी है. टेटवाल परिवार की इस सांस्कृतिक धरोहर की नींव वर्ष 1923 में स्वर्गीय हजारीलाल टेटवाल ने रखी थी. उस दौर में साधन सीमित थे और संसाधन भी कम फिर भी उन्होंने पहली बार रावण का पुतला तैयार किया और विजयादशमी पर नगर में उसका दहन किया गया. धीरे-धीरे यह परंपरा सारंगपुर का गौरव बन गई. हजारीलाल टेटवाल के बाद उनके पुत्र भेरूलाल टेटवाल ने इस जिम्मेदारी को संभाला और अब गौतम टेटवाल के द्वारा पुतला निर्माण में अपनी भूमिका निभाई जा रही है. राज्यमंत्री गौतम टेटवाल लंबे समय से पुतला निर्माण में सक्रिय रहे. उनका कहना है कि हमारे लिए यह केवल पुतला बनाने का काम नहीं बल्कि परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का माध्यम है. इस बार रावण का पुतला 65 फीट का होगा. श्री अंबे माता मंदिर से भव्य शौर्य यात्रा का शुभारंभ होगा जो नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई दशहरा मैदान पहुंचेगी.

दशहरे के दूसरे दिन करेंगे भगवान की अगवानी

नवभारत न्यूज

छापीहेडा 1 अक्टूबर, सं. नगर में विजया दशमी के पर्व को लेकर श्रीराम मंदिर परिसर बाजार चोक में बैठक का आयोजन किया. बैठक में नगर के समस्त समाज के समाज प्रमुखों की उपस्थिति में संपन्न हुई बैठक में सम्मानीय विद्वान् श्यामलाल नागर, ज्योतिष के विशेषज्ञ लक्ष्मीनारायण शर्मा मार्गदर्शन प्राप्त हुआ तथा मंडी वाले रामनारायण गुरु द्वारा अपने विचार व्यक्त किये गए. साथ ही बैठक में अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण विसालिया, नन्दकिशोर नागर, केलाश पाटीदार कृष्णा पाटीदार सहित अन्य सभी समाज प्रमुख एवं नगरवासियों ने अपने विचार रखे. कई वर्षो से भगवन की विजय यात्रा अपने विश्राम वाले स्थल से रात्रि 12 बजे से निकलती आई हे इस प्रथा में बदलाव करते हुए सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि भगवान की दिव्य शोभायात्रा विजयादशमी के अगले दिन अपने विश्राम वाले स्थल से प्रात: 9.00 बजे उसी मार्ग से निकाली जावे जिसमे नगर के धार्मिक लोगो एवं मजदुर किसान एवं व्यापारी भाइयो ने दोपहर तक काम बंद कर विजय यात्रा को सफल बनाने के लिए सर्व सहमती से निर्णय दिया. बैठक में हुए इस निर्णय की घोषणा गांव पटेल दीपक तंवर ने की बाद में श्री राम के जय घोष के साथ बैठक का समापन हुआ.

मालवा गरबा महोत्सव भक्ति के रंग में संपन्न

नरसिंहगढ़ 01 अक्टूबर, सं. भंडारी उद्यान में सोमवार रात मालवा गरबा महोत्सव का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के रंग में हुआ 100 से अधिक प्रतिभागियों ने गरबा नृत्य में भाग लेकर वातावरण को उल्लास और आध्यात्मिकता से भर दिया. कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक प्रतिनिधि सुदीप शर्मा, मंडल अध्यक्ष देवेंद्र परमार एवं अन्य अतिथियों द्वारा पूजन-अर्चन के साथ हुआ. आयोजन की विशेषता यह रही कि पूरे गरबा में केवल भक्ति गीतों और भजनों पर ही नृत्य किया गया. आयोजकों ने संदेश दिया कि संस्कृति और भक्ति से जुड़े कार्यक्रम भी पूरी भव्यता के साथ आयोजित किए जा सकते हैं इस मौके पर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर सोनू शर्मा, मनोज मीणा और धीरज मीणा ,महंत चंद्रमा दास महाराज, महंत दीपेंद्र दास, पंडित जगदीश शास्त्री, भूपेंद्र मिश्रा, मंजुलता शिवहरे, पवन शर्मा, मनोज दीक्षित एवं सुरेश शास्त्री सहित अन्य विशेष रूप से उपस्थित थे.

चल समारोह के साथ विदा हुईं दुर्गा प्रतिमाएं

नवभारत न्यूज

तलेन 01 अक्टूबर, सं. इस वर्ष नगर में मां दुर्गा के 6 पंडाल सजाए गए थे बजरंग कला मंडल चौधरी पुरा नवयुवा दुर्गा कला मंडल मंडलोई पूरा दुर्गा कला मंडल जाटव मोहल्ला आदर्श दुर्गा कला मंडल श्रृंगार कॉलोनी इकलेरा रोड हनुमान मंदिर मां दुर्गा कला मंडल संजय कॉलोनी आदि स्थानों पर बजाए गए थे. जहां पर नित्य गरबे हुए आज नवरात्रि पर सभी स्थानों की प्रतिमाएं अलग-अलग झांकियां के बैंड बाजे डीजे के साथ गरबा करते झूमते नाचते नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए नेवज नदी पर पहुंचे. यहां पर पुलिस व्यवस्था के बीच जेसीबी के माध्यम से माता रानी की मूर्तियां विसर्जित की गई. जाटव मोहल्ले की विसर्जन झांकी में महिलाएं बच्चियों ने गरबा किया.

छापीहेड़ा में 41 फीट ऊंचा रावण, विशेष आतिशबाजी

छापीहेड़ा 01 अक्टूबर, सं. नगर में दशहरा पर्व को लेकर तैयारी जोरों पर हैं नगर परिषद द्वारा 41 फिट ऊंचा रावण का पुतला बनवाया जा रहा है जिसका टेंडर स्थानीय कलाकार को हुआ है. सोमवार शाम को नगर परिषद मुख्य नगर पालिका अधिकारी हरिओम शर्मा द्वारा निरीक्षण किया गया उनके साथ राम नागर, शिवा इंगले, पंकज शर्मा, जमील खान,कुशल दांगी मौजूद रहे. सीएमओ ने बताया कि रंग बिरंगी आतिशबाजी के लिए विशेष व्यवस्था की गई हैं जो की इंदौर की एक कंपनी द्वारा की जाएगी. पिछले 2 वर्ष बालक हाई सेकेंडरी स्कूल में रावण बनाया जा रहा था. एक बार दशहरे के दिन अज्ञात व्यक्ति द्वारा पुतले में आग लगा दी गई थी.इसे ध्यान में रखते हुए 2 वर्षों से केशव मैरिज गार्डन में रावण बनाया जा रहा है.

हिंगलाज मंदिर समिति ने निकाली भव्य चुनर यात्रा

नवभारत न्यूज

जीरापुर 01 अक्टूबर, सं. मां हिंगलाज माता मंदिर समिति कुशवाहा मोहल्ला से भव्य चुनर यात्रा बड़े हर्ष और श्रद्धा के साथ निकाली गई. नगर में स्थित मां हिंगलाज माता मंदिर कुशवाहा मोहल्ला से पूजा अर्चना कर कुशवाहा मोहल्ला स्थित मंदिर से विशाल चुनर यात्रा प्रारंभ हुई. जो गुर्जर मोहल्ला ,बुधवारिया बाजार, चूड़ी गली होते हुए मां शीतला के दरबार में पहुंची, चुनर यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया. इस अवसर पर चुनर यात्रा में सैकड़ों भक्तजन शामिल हुए, जिन्होंने जयकारों के साथ माता के दरबार तक चुनर अर्पित की. इस चुनर यात्रा का नेतृत्व नगर परिषद अध्यक्ष अनईसूया कुशवाहा महिला मित्र मण्डल सहित अन्य समाज कि महिलाओं जनप्रतिनिधि के सहयोग से किया.

सिस्टर निवेदिता स्कूल में गरबा की प्रस्तुति

नवभारत न्यूज, ब्यावरा 01 अक्टूबर, का. नवरात्रि के पावन अवसर पर नगर के सिस्टर निवेदिता स्कूल में पारंपरिक भव्य गरबा का आयोजन किया गया. भक्तिभाव के बीच गरबा प्रस्तुति ने मनमोह लिया. कक्षा नर्सरी से 12 वीं तक के विद्यार्थियों ने गरबा और डांडिया नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी. विवेकानंद अकादमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने भी गरबा की बहुत सुंदर प्रस्तुति दी. अम्बे माता के जयकारे गूंज रहे थे. संस्था के डायरेक्टर शिवम् सर, प्रिंसिपल, वाईस प्रिंसिपल सहित स्टॉफ सदस्य उपस्थित रहे. माँ दुर्गा, राधा-कृष्ण और गोपी स्वरूप बने विद्यार्थी आकर्षण का केंद्र रहे. स्टॉफ सदस्यसों ने गुजराती, राजस्थानी पारंपरिक वेशभूषा धारण की.

ऐतिहासिक मां आशापुरी धाम पर निकली शोभायात्रा

मां आशापुरा धाम पर आस्था और आशाओं का सैलाब

नवभारत न्यूज

पडाना 01 अक्टूबर, सं. नवरात्रि के नवमी के दिन नगर और आसपास के ग्रामीण अंचलों में देवी मंदिरों और घट स्थापना मंचों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी. कई मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान, कन्या भोज, दुर्गा स्तुति, हवन पूजन आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए. कुछ श्रद्धालुओं ने घरों पर भी कन्या पाद पूजन और कन्या भोज करवाया. इसी के चलते प्राचीन मां आशापुरी धाम पर सुबह से ही अनेक जजमानों द्वारा विभिन्न प्रकार के धार्मिक अनुष्ठान पूजा पाठ इत्यादि किए गए. श्रद्धालुओं ने दर्शन किए और आशीर्वाद लिया. वहीं सदर बाजार रोड पर स्थित बैंक वाली मां अंबे माता मंदिर पर भी दर्शनार्थियों की भीड़ देखी गई शांति श्रद्धालुओं ने आसमानी माता मंदिर एवं काली माता मंदिर पर दर्शन और पूजा अर्चना की.

मां आशापुरी धाम का महत्व

मां आशापुरी धाम क्षेत्र की आस्था का केंद्र है, जहां सच्चे मन से आस्था लेकर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की आशा पूर्ण होती है. यह धाम अपनी विशेष आध्यात्मिक ऊर्जा और शक्तियों के लिए जाना जाता है जो यहां दूसरा धाम है. पहले धाम गुजरात प्रांत के कच्छ जिला की तालुका तहसील स्थित आशापुर गांव का स्थित है.

दशहरा पर्व ▶ दशहरा महोत्सव की तैयारियां पूरी, दहन स्थल पर नहीं लगेंगी दुकानें

दशहरा मैदान पर होगा रावण दहन, तैयारियां पूरी

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 01 अक्टूटबर का. दशहरे पर्व को लेकर नगर में जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं. गुरुवार को दशहरा मैदान में होने वाले रावण दहन की व्यवस्थाओं का प्रशासनिक अमला ने निरीक्षण किया. इस दौरान एसडीओपी ए.एस. राठौर, एसडीएम निधि भारद्वाज, थाना प्रभारी अखिलेश वर्मा तथा हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष हर्षांत इंगले मौजूद रहे. निरीक्षण के दौरान नगर पालिका सीएमओ एके शर्मा ने की गई व्यवस्थाओं की जानकारी दी. वहीं एसडीओपी ने पार्किंग व्यवस्था को लेकर विशेष निर्देश दिए. एक पार्किंग रेलवे स्टेशन की ओर और दूसरी पार्किंग मेडिकल कॉलेज की ओर बनाई जा रही है, ताकि आमजन को दशहरा मैदान तक पहुंचने में किसी तरह की असुविधा न हो. एचडीबी अरविंद सिंह राठौर ने बताया कि रावण दहन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनता पहुंचती है, जिसके मद्देनज़र पुलिस ने सुरक्षा और यातायात की पूरी तैयारी कर ली है. हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष हर्षांत इंगले ने जानकारी दी कि परंपरा अनुसार गुरुवार दोपहर 2 बजे से जुलूस बड़े हनुमान मंदिर, बिरजीपुरा मोहल्ला से शुरू होगा. यह घूम घाटी होते हुए लक्ष्मीकांत मंदिर पहुंचेगा. यहां भगवान लक्ष्मीकांत की पूजा-अर्चना के बाद जुलूस पारायण समिति पहुंचेगा, जहां हनुमान चालीसा का पाठ और राम-हनुमान मिलन होगा.

विजयवर्गीय समाज ने मनाया डांडिया रास महोत्सव

राजमहल प्रांगण में स्थित मलेरिया परिसर में बुधवार को नवरात्रि की नवमी के मौके पर विजयवर्गीय समाज ने डांडिया रास महोत्सव मनाया. अखिल भारतीय विजयवर्गीय वैश्य समाज के तत्वावधान में किले से लेकर मलेरिया परिसर तक चुनर यात्रा निकाली गई. जिसके बाद महा आरती और डांडिया रास का आयोजन किया गया. इस मौके पर नगर अध्यक्ष श्री मति राधा विजय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमति सरोज, पूर्व राष्टीय अध्यक्ष श्रीमति नम्रता, राष्षैय सलाहकार श्रीमति वंदना, श्रीमति मंजुलता, श्रीमति शांति देवी, श्रीमति रीना, श्रीमति सरिता, श्रीमति नमिता विजयवर्गीय सहित बड़ी संख्या में समाज की महिलाओं ने भाग लिया.

मां को 56 भोग अर्पित

खिलचीपुर 01 अक्टूबर, सं. खिलचीपुर स्थित ऐतिहासिक लाल माता मंदिर में नवरात्रि के दौरान सोमवार रात भक्तों ने मां को 56 भोग अर्पित किए. इस विशेष आयोजन में हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़े. यह मंदिर नवरात्रि में भक्ति और आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है. करीब 400 साल पुरानी प्रतिमा वाले इस रियासतकालीन मंदिर में रात आठ बजे से विशेष पूजा-अर्चना की गई. इसके बाद भव्य आरती हुई और महाप्रसादी का वितरण किया गया. देर रात तक मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही. भक्तों का मानना है कि यहां मां के दरबार में मांगी गई हर मुराद पूरी होती है. मंदिर का कुछ वर्ष पूर्व भक्तों के सहयोग से पुनर्निर्माण हुआ था, लेकिन इसका ऐतिहासिक महत्व आज भी बरकरार है. नवरात्रि के नौ दिनों तक यहां प्रतिदिन भंडारे का